

प्र०स० 2013/00160, 97/2013

14 1/20

पत्रावली पेश हुई उभयपक्ष उपस्थित है/पीठारीन अधिकारी अवकाश में होने/अन्य राजस्व कार्य में व्यस्त होने/बार स्तोत्रोत्सव की प्रार्थना से पत्रावली वास्तु...रा.प.प..... दिनांक...५/२/२०...को पेश हो।

4.2.2020

पत्रावली पेश हुई प्रार्थी अधिकारी अपास्त विपक्षीय भी और से कोई जवाब पेश नहीं हुआ। काफी समय दिया जाने पर भी जवाब पेश नहीं होने से जवाब देना एक तरफ कार्यवाही का निर्णय लिया गया। प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र कार्यालय द्वारा 212 R.A स्वीकार किया जाकर कोदेश दिया जाता है कि मूल वाद के निर्णय तक प्रार्थना पत्र में वर्णित मात्र कोशाव भी कारागी की 253 रकका 003 है डा.संख्या 254 रकका 031 है. किता 2 रकका 034 ईकर प्रार्थी के सम्बन्ध में इस कारण कि कारागी विशेषज्ञ प्रार्थी एक प्रार्थीय विरुद्ध विपक्षीय कृष्ण 1 व 2 के जारी भी जाती है कि विपक्षीय प्रार्थीय के कब्जे कागद से किसी तरह की दस्तावेज नहीं करे कि कल्प से करावे तथा प्रार्थीय को जकारा ताकत के बल से वादगत कारागी/प्रार्थ से केदमल नहीं करे तथा किसी कल्प को रएप वम काशिश या कल्प किसी भी तरह से एतादरित नहीं करे व राजस्व रेकार्ड एवं नोटे भी तथा स्थिति वर्णन रहे. पत्रावली केवल शुभल होकर गकार से भजे

4.2.2020
(सुन्दरलाल वास्कोड)
R.A.S
सहायक कलेक्टर (उपखण्ड अधिकारी)
रायपुर (बीलवाडा)

